अध्याय
16

अर्थबोध

अर्थबोध यानी किसी शब्द के अर्थ का बोध या ज्ञान। हिन्दी भाषा में प्रत्येक शब्द का अपना एक अर्थ होता है जिससे उस शब्द को सही रूप में पहचाना जाता है। जैसे एक दूध देने वाले पशु का नाम गाय निर्धारित किया तो बाद में सभी उस पशु को गाय शब्द से जानने लगे।

सामान्य हिन्दी के इस 'अर्थबोध' नामक अध्याय के अंतर्गत महत्त्वपूर्ण समानार्थक/समानार्थी शब्द तथा अर्थभेद को प्रस्तुत किया गया है साथ ही शब्द-युग्म के अंतर्गत ऐसे शब्दों को प्रस्तुत किया गया है जो देखने में लगभग समान होते हैं। परंतु अर्थ के दृष्टिकोण से उनमें असमानता पाई जाती है। ऐसे ही कुछ महत्त्वपूर्ण शब्दों को सरल एवं सहज भाषा में प्रस्तुत किया गया है।

विगत वर्षों की परीक्षाओं में पूछे गए एवं अन्य महत्त्वपूर्ण शब्द एवं उनके अर्थ

शब्द	अर्थ	शब्द	अर्थ	शब्द	अर्थ
प्रतिपदा	पक्ष की पहली तिथि	बलिष्ठ	सर्वाधिक शक्तिशाली	स्थावर	पर्वत, स्थायी, स्थिर
निश्चल	स्थिर, अचल	मृदु	मुलायम, कोमल	अविवेक	नासमझ, अविचारी, विवेकरहित
ग्लानि	दु:ख	व्याधि	पीड़ा, रोग	स्मर	कामदेव, याद, स्मृति
आशीर्वाद	आशीष, आर्शीवचन, मंगलकामना	सुता	बेटी, पुत्री	सत्यवादी	सत्य बोलने वाला
अच्युत	स्थिर (परमात्मा), अटल	व्यसन	दुराचरण, बुरी आदत, लत	एषणा	अभिलाषा, याचना, कामना
जघन्य	बुरा, अति निंदनीय	दिगंबर	नंगा, नग्न (वस्त्रहीन)	स्वयंभू	स्वत: उत्पन्न, स्वयं ही उत्पन्न
अनल	आग, अग्नि	अपमान	तिरस्कार, मानभंग, बेइज्जती	अजिर	शरीर, वायु, आँगन
अंशु	किरण, सूर्य	दैवज्ञ	ज्योतिषी, दैव संबंधी बातों का जानकार।	परिणय	शादी, विवाह
कुलिश	वज्र, कुठार, हीरा	खर	गधा, तिनका, एक राक्षस	कनक	धतूरा, सोना
अवनि	धरती, भू, पृथ्वी	विषाद	अवसाद, दु:ख, उदासी	तरंग	उमंग, मौज, हिलोर, पानी ही लहर
अवगुंठन	घूँघट	परिधान	पोशाक	धवल	निर्मल, उजला, सफेद
निश्चित	स्थिर किया हुआ, निश्चित किया गया	दिव्य	भव्य, अलौकिक, अति सुंदर	अंबर	अभ्र, नभ, आकाश
अद्वितीय	अनुपम	ईर्ष्या	जलन, डाह	अव्यय	अक्षय, नित्य, जो व्यय न हो

16.1 समानार्थक/समानार्थी शब्द एवं अर्थभेद

समानार्थक शब्द उन शब्दों को कहा जाता है, जिनके अर्थ समान या एक हों। समानार्थक शब्दों के अर्थों की समानता के कारण ही इन्हें- एकार्थी शब्द, प्रतिशब्द, पर्यायवाची शब्द तथा समानार्थी शब्द आदि भी कहा जाता है।

- हिन्दी की उत्पत्ति तथा रूपरेखा संपूर्ण रूप से संस्कृत पर ही आधारित है तथा समानार्थक शब्दों की श्रेणी में सम्मिलित अधिसंख्य शब्द संस्कृत के मूलशब्द या तत्सम हैं।
- वर्तमान समय में हिन्दी के समानार्थक शब्द-भंडार में तत्सम, तद्भव, देशज तथा विदेशज शब्द शामिल हैं।